

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 23

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

ठीक है, अब शुरू करने का समय आ गया है। ऐसा लगता है कि हम बरसात के दिन, शुक्रवार, परीक्षा के बाद के सिंड्रोम से पीड़ित हैं। चूंकि आप वफादार हैं, कम से कम आप बहुमत में हैं, इसलिए हमारे पास इतना तो है, लेकिन यह एक छोटा बहुमत है।

मैंने यह पहले भी कहा है, मैं इसे फिर से कहूंगा। अपने भाई-बहनों को प्रोत्साहित करें, उनका ख्याल रखें ताकि वे वाकई क्लास में आएँ। जब परीक्षा आती है तो यह बहुत दिलचस्प होता है, ऐसे चेहरे होते हैं जिन्हें मैंने पिछली परीक्षा को छोड़कर पहले कभी नहीं देखा था।

वैसे भी, यह उनकी समस्या है। शुक्रवार के अखबार, शुक्रवार से एक हफ्ते बाद, क्या यह सही है, मुझे लगता है? अगर आपके पास अखबार के बारे में कोई सवाल है, तो अभी पूछने का समय है। अभी नहीं, बल्कि गुरुवार रात के बजाय इस हफ्ते।

मैं बस इतना कहना चाहता हूँ: मुझे पता है कि मैंने पहले भी यह कहा है, लेकिन मैं इसे फिर से कहूँगा। एक पेज का पेपर का मतलब है कि आप उस पर बहुत, बहुत मेहनत करते हैं क्योंकि यह चार या पाँच पेज के पेपर के रूप में शुरू होता है, और फिर इसे उबालकर और परिष्कृत करके इस तरह से लिखा जाता है कि उस एक पेज के हर शब्द में बहुत दम हो। इसलिए यह मत सोचिए कि, ओह, एक पेज, मैं इसे दस मिनट में लिख सकता हूँ।

यह उस तरह से काम नहीं करता। और मैं आपके प्रारंभिक कार्य को भी देखूँगा, इसलिए यदि आप असाइनमेंट को देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि आपको काफी मात्रा में प्रारंभिक कार्य करना है, और मैं उस पर और साथ ही अंतिम एक-पृष्ठ उत्पाद पर ग्रेड देता हूँ। इसलिए इसमें कुछ प्रयास अवश्य करें।

मुझे लगता है कि आपको यह करना काफी उत्साहवर्धक लगेगा। यह मत पूछिए कि क्या आप देर से पेपर जमा कर सकते हैं। उस दिन नौ से पांच बजे तक आपके पास थोड़ी छूट है, इसलिए उस समय के बाद कुछ भी कर सकते हैं।

चूंकि आपको सत्र की शुरुआत से ही असाइनमेंट मिला हुआ है, इसलिए मैं वास्तव में ईमानदारी से इसे स्वीकार नहीं करूँगा। मुझे ऐसा राक्षस बनना पसंद नहीं है, लेकिन चीजें इसी तरह होती हैं। आपमें से जो लोग अतिरिक्त क्रेडिट कर रहे हैं, वे सोमवार को करें।

मुझसे इस पर भी विस्तार की मांग मत करना। ठीक है। आप परीक्षा के आँकड़े यहाँ देख सकते हैं।

कैरी के पास सिर्फ़ एक घोषणा या सवाल है। कैरी, आगे बढ़ो। मैं तुम्हें प्रोत्साहित करूँगा, खासकर अगर परीक्षा के समय चीज़ें समस्याग्रस्त हों और तुम वाकई संघर्ष कर रहे हो, तो समीक्षा सत्रों का लाभ उठाने के लिए।

वे बेहद मददगार हैं, और कैरी और मैट दोनों के पास चीज़ों को उबालकर उसे सुलभ बनाने का एक अच्छा तरीका है, खासकर परीक्षा से पहले के उन व्यस्त घंटों में, लेकिन मैं आपको हर हफ्ते ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा। ठीक है, आगे बढ़ने से पहले कोई सवाल या टिप्पणी? कैरी आज बाद में आपकी परीक्षाएँ आपके बक्सों में वापस डालने जा रही हैं, लेकिन अगर आपने ब्लैकबोर्ड चेक किया है, तो आपको पहले से ही पता है कि आपका ग्रेड क्या है, इसलिए आप उसका नक्शा बना सकते हैं, और आप परीक्षा की कुंजियाँ भी देख सकते हैं जो वहाँ हैं, जिन्हें हमें गाने की ज़रूरत है।

उन असामान्य इब्रानी अक्षरों पर वापस जाएँ। उनके पीछे वाकई कुछ गहरा अर्थ छिपा है। परमेश्वर भला है, और उसकी दया सदा बनी रहती है।

आइए हम साथ मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आपने हमें वास्तव में अपने बच्चे होने के लिए बुलाया है, कि हम यीशु के लहू के माध्यम से प्रतिदिन आप तक पहुँच पाते हैं, आपकी उपस्थिति में, आपके सिंहासन कक्ष में आते हैं, वे चीज़ें लाते हैं जिनके लिए हम आपको धन्यवाद देना चाहते हैं और साथ ही अपने बोझ भी आपके सामने रखते हैं, इसलिए हम आभारी हैं। प्रभु, हम यहाँ होने के लिए, साथ मिलकर अध्ययन करने के लिए, गर्मी और रोशनी पाने के लिए, पर्याप्त भोजन पाने के लिए, सुरक्षा पाने के लिए आभारी हैं।

पिता, हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जिनके पास ये चीज़ें नहीं हैं जिन्हें हम अक्सर हल्के में लेते हैं। अपनी दया में, कृपया अपने लोगों की ज़रूरतों को पूरा करें। पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज अध्ययन करते समय हमारी मदद करें।

हमारा अध्ययन वास्तव में आराधना का कार्य हो। हमारे मन को उत्सुक बनाइए और हमारे दिलों को आपके लिए प्यार और आपकी उपस्थिति की इच्छा से जलाइए। इसलिए, हम मसीह के नाम पर इन बातों के लिए धन्यवाद के साथ प्रार्थना करते हैं। आमीन।

वैसे, मुझे इसके लिए भी प्रार्थना करनी चाहिए थी, लेकिन मैं इसे आपकी प्रार्थना रडार स्क्रीन पर लाऊँगा। मैं उत्तरी मिनेसोटा से हूँ।

क्या आप हाल ही में वहाँ की खबरों पर नज़र रख रहे हैं? पूरा उत्तरी मिनेसोटा और उत्तरी डकोटा का पूर्वी क्षेत्र अभी आपदाग्रस्त क्षेत्र है क्योंकि आज और कल वहाँ बाढ़ का पानी आ रहा है जिसका अनुभव उन्होंने 100 से ज़्यादा सालों में नहीं किया है, और यह एक गड़बड़ भरा काम है। मैंने अपने हाई स्कूल के दिनों में वसंत ऋतु के आने पर, आमतौर पर रेत की बोरियाँ भरने का काम किया, क्योंकि मैं ऐसे शहर में रहता था जहाँ एक नदी इस तरह से बहती थी। इसलिए, मुझे पता है कि वे किस स्थिति से गुज़र रहे हैं।

मैं आपको लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा क्योंकि उनमें से कई लोग अपने घर और अपनी आजीविका खोने के कगार पर हैं। पूरे शहर बाढ़ के पानी से खतरे में हैं और अब बाढ़ के पानी के टूटने का भी खतरा है। इसलिए, ये उन लोगों के लिए मुश्किल समय है।

मैं जानता हूँ कि दुनिया भर में लोग परेशान हैं। मेरा उनसे जुड़ाव है। और मैं जानता हूँ कि कैपस में कुछ मिनेसोटावासी भी हैं।

तो, बस इसे अपनी प्रार्थना रडार स्क्रीन पर रखें। हम सुलैमान और सुलैमान द्वारा राज्य को मजबूत करने के बारे में बात करते हुए थोड़ा सा समीक्षा करने जा रहे हैं। डेविड के शासनकाल के अंत तक पहुँचने के बाद हमारे पास एक संयुक्त राजतंत्र है, लेकिन इसमें कुछ दरारें हैं, और वे दरारें सुलैमान के शासनकाल के अंत में फिर से दिखाई देंगी।

लेकिन सुलैमान ने खुद साम्राज्य को उन तरीकों से मजबूत किया है जिनके बारे में हम बात करने जा रहे हैं। मुझे शायद राज्य कहना चाहिए। मुझे शायद साम्राज्य नहीं कहना चाहिए।

हालाँकि, हमें थोड़ा सा पुनरावलोकन करने की ज़रूरत है, क्योंकि हमारे पास बीच में थोड़ा समय था। एक पुनरावलोकन प्रश्न, या शायद मुझे दो पुनरावलोकन प्रश्न कहना चाहिए। आइए देखें कि क्या हम, इस तथ्य को देखते हुए कि आपने परीक्षा के लिए यह सब किया है, इसे फिर से बना सकते हैं।

डेविड ने अपने राज्य में राजनीतिक और धार्मिक एकता कैसे बनाई? निक। बहुत बढ़िया। वह राजधानी को ऐसी जगह ले जा रहा है जो उत्तरी जनजातियों के लिए थोड़ा और आकर्षक होगा, खासकर पूर्व शहर यबूस में बेंजामिन जनजाति के लिए, जो अब यरूशलेम है।

वह सन्दूक को वहाँ ले जाता है, इसलिए हमें सभी धार्मिक प्रतीक एक ही स्थान पर मिल जाते हैं। मुझे सभी नहीं कहना चाहिए। आपको सन्दूक वहाँ मिल गया है।

हमारे पास अभी भी गिबोन में सभा का वह तम्बू है। हम आज उसके बारे में बात करने जा रहे हैं। और फिर आप बिल्कुल सही कह रहे हैं।

दाऊद ने राज्य की सीमाओं का भी काफी विस्तार किया। अगला प्रश्न। दूसरा प्रश्न।

आखिरी सवाल। मंदिर के भविष्य के निर्माण के लिए कौन सी घटना ने तैयारी की, खास तौर पर इसके स्थान के संदर्भ में? क्रिस। बिल्कुल।

अच्छा। लोगों की गिनती करने के पाप और महामारी और प्रभु के दूत और तबाही का अनुभव करने के बाद, दाऊद ने परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता में, एक बार जब वह महामारी रुक जाती है, तो अरौना के इस खलिहान को खरीद लिया। यह माउंट मोरिया के क्षेत्र में है, जैसा कि हमने 2 इतिहास 3 से सीखा है। और उस विशेष स्थान पर, वह एक बलिदान चढ़ाने जा रहा है।

और, बेशक, जैसा कि हमने सोमवार को कहा, यही मंदिर के निर्माण के लिए आधार तैयार करता है। तो, अब हम एक और बड़े उद्यम के लिए तैयार हैं, और यह वास्तव में हमें सोलोमन तक ले आता है। सोलोमन किस लिए सबसे ज्यादा मशहूर हैं? और, वैसे, अगर आपको इसे याद रखने का कोई तरीका चाहिए, तो आप मेरे एक छात्र को लगभग 15 साल पहले यह सुझाव देने के लिए धन्यवाद दे सकते हैं, और मैं इसे हर कक्षा में बताता हूँ क्योंकि यह मूल रूप से मेरे पास नहीं है; चार डब्ल्यू के बारे में सोचें।

चार डब्ल्यू. क्रिस्टन. ठीक है, यह अच्छा है.

बुद्धि और महिलाएं। और महिलाएं बेहतर हैं क्योंकि हम सिर्फ पत्नियाँ नहीं कहना चाहते। वहाँ कई अन्य महिलाएँ भी हैं।

तो, बुद्धि और महिलाएँ। केलिन। धन। बढ़िया।
और? पूजा। बस इतना ही।

बुद्धि, महिलाएँ, पूजा, धन। इनमें से कुछ का एक अच्छा पक्ष और एक बुरा पक्ष दोनों है, जैसा कि हम आगे बढ़ते हुए देखेंगे। हाँ, सुझाना।

हाँ, यह एक बढ़िया सवाल है। उपपत्नी और पत्नी में क्या अंतर है? पत्नी वह होती है जिसकी सगाई हो चुकी होती है और वह वास्तव में उस पद पर काम करती है, और सुलेमान की पत्नियाँ अक्सर इसलिए होती हैं क्योंकि उसने राजनीतिक गठबंधन किए होते हैं। आप फिरौन की बेटी के साथ इसका उदाहरण देख सकते हैं, जिसके बारे में हम थोड़ी देर बाद बात करेंगे।

तो, पत्नी की स्थिति के साथ एक ऐसा कद जुड़ा हुआ है जो एक उपपत्नी को नहीं मिलता। उपपत्नी के लिए हिब्रू शब्द एक ऐसा शब्द है जो लोगों के पास है, यह पिलगाशाह या ऐसा ही कुछ है। टेड, आप शायद मेरे स्वरों और व्यंजनों के बारे में मुझे सही कर सकते हैं।

मैं कुछ हद तक भूल गया हूँ। लेकिन इस पर बहुत सारी बातें लिखी जा रही हैं कि इसका क्या मतलब था। यह थोड़ा अनिश्चित है।

लेकिन हम जानते हैं कि एक अलग कद है, और राजाओं के मामले में, आपने कई बार ये राजनीतिक गठबंधन किए हैं। हाँ, ट्रेवर। हाँ, यह एक अच्छा सवाल है।

क्या इन शब्दों के बीच कभी कोई अदला-बदली होती है? एक भ्रम यह है कि पत्नी के लिए हिब्रू शब्द महिला के लिए भी हिब्रू शब्द है। और इसलिए, आपके पास एक उपपत्नी है जो एक महिला है और उस श्रेणी में आती है जो फिर इस व्यक्ति से संबंधित है। इसलिए, कुछ अस्पष्ट सीमाएँ होने जा रही हैं।

आपके सवाल अच्छे हैं। मैंने उपपत्नी के पीछे इस हिब्रू शब्द पर जो थोड़ा बहुत अध्ययन किया है, उससे मुझे आपको यह कहना पड़ रहा है कि ईमानदारी से कहूँ तो मुझे इस बात के सभी उत्तर नहीं पता कि इसका क्या हिस्सा है। अच्छे सवाल हैं।

कोई और सवाल? अगर मुझे बाद में यह याद न आए, तो कृपया मुझसे इतनी सारी महिलाओं को पत्नियाँ बनाने के इस मामले के बारे में पूछें। मैंने पहले ही कुछ राजनीतिक मुद्दों का ज़िक्र किया है। लेकिन जब हम व्यवस्थाविवरण 27 और राजाओं को क्या नहीं करना चाहिए था, इस बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो हमें उस पर वापस आना चाहिए।

यहाँ आपके लिए एक और सवाल है। क्या आपको हमारे स्रोत याद हैं? 1 और 2 शमूएल, 1 और 2 राजा एक तरह के ब्लॉक और एक इकाई में हैं, और फिर 1 और 2 इतिहास बाद में हैं, और उनका जोर अलग है। जैसा कि आप आज पढ़ रहे हैं, आपने 1 राजा की सामग्री और इतिहास में जो पढ़ा है, उसके बीच क्या अंतर देखा? चेत्सी।

हाँ, आप सुलैमान के शासनकाल के अंत में उसकी मूर्तिपूजा के बारे में पूरी बात नहीं देखते हैं, है न? यह इतिहास में नहीं है। यह राजा 1 राजा 11 में है, लेकिन हम इसे इतिहास में नहीं देखेंगे। यह पुस्तक के अंत का एक छोर है।

दूसरी किताब के अंत के बारे में सोचिए। सुलैमान के शासनकाल की शुरुआत या उससे पहले की घटनाओं के बारे में क्या? इतिहास में, क्या आपने अदोनियाह और उस पूरे मामले के बारे में कुछ पढ़ा है, जिसमें निराशा और तनाव और राज्य पाने के प्रयासों का उल्लेख है? ऐसा नहीं था, है न? सुलैमान इतिहास में बस राजा बन जाता है। राजाओं में ऐसा नहीं है।

आपके पास अदोनियाह है, आपने उसे राजा के रूप में स्थापित किया है, और हम इसके बारे में एक मिनट में बात करने जा रहे हैं। बस हमेशा उन अंतरों के लिए अपने एंटेना को ऊपर रखें। यही वह चीज है जो पढ़ने को इतना दिलचस्प बनाती है, कई अन्य चीजों के अलावा।

ठीक है, क्या हम आगे बढ़ें? चलिए आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, मैं चाहता हूँ कि आप उन प्रमुख घटनाओं से अवगत रहें जो सामने आती हैं, जैसे कि सुलैमान का राजा के रूप में स्थापित होना। नामों को जानें, लोगों को जानें, जानें कि यह कैसे होता है।

हम कुछ बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे, लेकिन जाहिर है, हम उन सभी के बारे में बात नहीं कर सकते। डेविड अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर है, वह एक बूढ़ा व्यक्ति है। वह गर्म नहीं रह सकता।

अबीशाग। आप इसे इसी तरह से उच्चारण करते हैं, भले ही इसे अंग्रेजी में अबीशाग कहा जाता है। अबीशाग, एक युवा महिला, को मूल रूप से उसे गर्म रखने के लिए ही लाया जाता है।

अब, कथा में आगे चलकर यह क्यों महत्वपूर्ण है? हम राजा डेविड को गर्म रखने के बारे में बात करने के लिए 1 राजा की पहली चार आयतों को क्यों लेते हैं? क्योंकि फिर हम अदोनियाह के बारे में इस अविश्वसनीय बात पर आगे बढ़ते हैं, और वह खुद को राजा बनने के लिए तैयार कर रहा है, और फिर भी आपको वे पहली चार आयतें मिल गई हैं, क्रिस्टन। हाँ, और यह वास्तव में पूछा जाने वाला है, सुलैमान। आप पहली बार सही थे।

हाँ, ठीक है। एक बार जब अदोनियाह को उसके कथित राजत्व से हटा दिया गया, तो उसने अबीशाग को अपने पास रखने का अनुरोध किया। और शायद यह एक राजनीतिक बयान क्यों है? हमने ऐसा पैतरा पहले कहाँ देखा है? किसी की रखैल को ले जाना।

हाँ, केटी। अबशालोम ने वाकई धिनौना राजनीतिक बयान दिया है, है न? जब वह दिन के उजाले में डेविड की रखैलों के साथ सोता है, तो हर कोई इसे होते हुए देख सकता है। और इसलिए, यह एक बयान है।

जो मेरे पिता का था, वह मेरा है। अगर अदोनियाह ऐसा करता है, तो जो दाऊद का था, अबीशाग, वह अदोनियाह का है, तो वह आगे बढ़ रहा है। इस तरह की चीजें होने पर और उसके बारे में कुछ न करना सुलैमान के लिए नुकसानदेह होगा।

और हमने इसे रूबेन तक भी देखा। रूबेन का अपने पिता की रखैल और उसकी पत्नियों में से एक की दासी बिल्हा के साथ सोना एक बहुत ही जघन्य बात मानी जाती थी। तो यह पहली बात है।

खैर, अदोनियाह वाकई राजा बनने की योजना बना रहा है। वह इसे बहुत ही दिलचस्प तरीके से करता है। यह जानना दिलचस्प है कि, फिर भी, अगर हम बहुत ध्यान से पढ़ें, तो हम पाते हैं कि डेविड वास्तव में सबसे अच्छे पिता नहीं थे।

इसमें कहा गया है कि उसने कभी भी अदोनियाह को नहीं सुधारा। अदोनियाह भी उसी तरह बिगड़ गया जैसे अबशालोम बिगड़ गया था। यहाँ भी कुछ ऐसी ही बातें हो रही हैं।

और इसलिए, डेविड कभी भी उसे सही रास्ते पर नहीं ला पाता। अदोनियाह वही करता है जो वह करना चाहता है और वह दो बहुत ही महत्वपूर्ण लोगों को अपने पक्ष में करने के लिए तैयार करता है। आप जानते हैं कि वे कौन हैं।

हम उन्हें पहले ही देख चुके हैं। हाँ, सुज़ाना। हाँ, अबियाथर, अच्छा।

हालाँकि, आप यह कहना चाहते हैं। और वह क्या भूमिका निभाता है? वह पुजारी है जो वास्तव में हमेशा दाऊद के साथ रहा है। याद रखें, वह वही है जो आया और एपोद वगैरह लाया।

तो, हमारे पास एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति है। और यहाँ अदोनियाह को यह पता चल रहा है कि अब अबियाथर उसके पक्ष में है। सादोक ही वह व्यक्ति होगा जो दाऊद के साथ रहेगा।

हाँ, चेल्सी। हाँ, वह जोआब को भी अपने पक्ष में कर लेता है। और बेशक, जोआब का इतिहास बहुत पुराना है।

और इसलिए अदोनियाह शायद इसे किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता है जो किसी भी सेना को सफलतापूर्वक कमान दे सकता है अगर उसे उनकी ज़रूरत हो। लेकिन डेविड के पास बनाया है, जिसे हम यह भी जानते हैं कि अगर हम इतिहास को ध्यान से पढ़ें, तो वह भी एक

बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति है। खैर, अदोनियाह खुद को एन-रोगेल नामक स्थान पर स्थापित करता है, जो डेविड शहर के दक्षिणी छोर पर है।

लेकिन इस बीच, नातान और बाथशेबा दाऊद के पास आकर पूछते हैं, क्या तुम जानते हो कि क्या हुआ है? और, बेशक, तब हमें पता चलता है कि न केवल दाऊद ने सुलैमान को चुना है, बल्कि वैसे भी अदोनियाह अगली पंक्ति में था। अमोन चला गया है। हम कभी नहीं जानते कि केलियाब का क्या हुआ।

वह दूसरे नंबर पर पैदा हुआ है। अबशालोम चला गया है। अदोनियाह चौथे नंबर पर पैदा हुआ है।

तो, वह अगली पंक्ति में है। लेकिन सुलैमान ही वह है जो राजा बनने जा रहा है। और ऐसा इसलिए है, क्योंकि अगर हम 1 इतिहास की ओर वापस जाते हैं, तो ठीक है, आगे बढ़ो, जो भी हो।

1 इतिहास 28, श्लोक 5, दाऊद कहता है, मेरे सभी पुत्रों में से, और यहोवा ने मुझे बहुत से दिए हैं, उसने मेरे पुत्र सुलैमान को इस्राएल पर यहोवा के राज्य के सिंहासन पर बैठने के लिए चुना है। इसलिए, दाऊद इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है, और जब यह बात संकट में आती है, तो यह केवल दाऊद की पसंद नहीं है। दाऊद संकेत देता है, सुझाव देता है, बताता है, और घोषणा करता है कि यह यहोवा की पसंद है कि यह सुलैमान होगा जो राजा होगा।

तो, सुलैमान ने अपना खुद का, या माफ कीजिए, डेविड और सुलैमान ने खुद सुलैमान का राज्याभिषेक किया, और कुछ बहुत ही प्रतीकात्मक चीजें हुईं। हम थोड़ी देर में एक नक्शा देखने जा रहे हैं, लेकिन डेविड इसे गीहोन झरने पर करने जा रहा है, जो यरूशलेम के लिए पानी का स्रोत है। उसमें से बहुत सारा पानी निकलता है, और प्रतीकात्मकता के कुछ बहुत ही दिलचस्प स्तर हैं।

सुलैमान भी डेविड के खच्चर पर सवार होने जा रहा है, और यह भी काफी महत्वपूर्ण है। ये कथन तब पूरे राज्याभिषेक समारोह के हिस्से के रूप में दिए गए हैं। इस बीच, हमारे पास डेविड है, जिसे नाथन ने बताया है, जो प्रभु के वचन की रिपोर्ट कर रहा है। बेशक, डेविड को बताया गया है कि वह मंदिर नहीं बनाने जा रहा है, लेकिन वह चुपचाप नहीं बैठा रहता।

और अगर आप इन अध्यायों, 1 इतिहास 28 और 29 को पढ़ने के लिए कुछ समय निकालते हैं, तो आप पाएंगे कि दाऊद बहुत सावधानी से मंदिर बनाने की तैयारी कर रहा है ताकि सुलैमान को बिना किसी अनुभव के शुरुआत से काम शुरू न करना पड़े। वास्तव में, अगर आप इसे वाकई ध्यान से पढ़ें, तो आप देखेंगे कि पवित्र आत्मा ने दाऊद को मंदिर की योजना दी है। दिलचस्प अंश।

आत्मा ने उसे यह बोध दिया है कि यह मंदिर कैसा होगा और इसके लिए क्या योजना है, और फिर वह इसे पूरा करता है, और जैसा कि हम एक पल में देखने जा रहे हैं, यह तम्बू की तरह ही, कुछ मायनों में स्वर्गीय क्षेत्रों की छाया या समानता या बहुत ही अपरिष्कृत प्रतिलिपि को दर्शाता

है। इसके बारे में एक मिनट में और अधिक जानकारी दी जाएगी। खैर, फिर हमें आगे या पीछे, शायद पीछे, 1 राजा की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

मैं चाहता हूँ कि आप अपने सामने अपना पाठ रखें, क्योंकि हम देखते हैं कि दाऊद ने सुलैमान को क्या करने के लिए कहा था। यह अध्याय 2 में है, और वह उसे कुछ बहुत ही खास सलाह देता है। सबसे पहले, पद 3 में, आज्ञाकारी बनो।

पाठ कहता है, " अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं का पालन करो, उसके बताए मार्ग पर चलो, उसके नियमों और आज्ञाओं का पालन करो, उसके नियमों और अपेक्षाओं का पालन करो, जैसा कि मूसा के टोरा में लिखा है। तो, यह एक घोषणा है। सुलैमान को आज्ञाकारी होना है।

और फिर यह आगे बढ़ता है और कहता है, आपको मंदिर भी बनाना है। यह थोड़ा बाद की बात है। और फिर, अंत में, हम जो चीजें वास्तव में नोट करना चाहते हैं, कुछ अधूरे कामों का ध्यान रखें।

मैंने इसे यहाँ इसी नाम से पुकारा है। डेविड को एहसास हुआ कि अब जबकि वह मरने वाला है, कुछ पारस्परिक न्याय संबंधी मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की ज़रूरत है। और इसलिए, आइए उन पर नज़र डालें।

सबसे पहले, 1 राजा के अध्याय 2 की आयत 5. आप जानते हैं कि योआब कितना बुरा है। मैं यहाँ थोड़ा सा संक्षिप्त विवरण दे रहा हूँ।

उसने बहुत सारा खून बहाया है। पद 6, अपनी बुद्धि के अनुसार उससे निपटो, लेकिन उसके बूढ़े बालों को शांति से अधोलोक में मत जाने दो। योआब के हाथों खून लगा है।

वह बहुत सी चीज़ों से बच निकला है। आप इसे इस तरह से कह सकते हैं। योआब बहुत सी चीज़ों से बच निकला है।

और दाऊद सुलैमान से कह रहा है, तुम्हें योआब से निपटना होगा। उसका समय आ गया है। फिर दूसरी बात, कहीं ऐसा न हो कि हम यह सोचें कि दाऊद यहाँ सिर्फ बदला लेने की नीयत से आया है।

श्लोक 7 में, वह कहता है, बर्जिल्लै के बेटों पर दया करो। मैंने अभी-अभी बर्जिल्लै का उल्लेख किया है, लेकिन जाहिर है, यह वे बेटे हैं जो पीढ़ी में होने वाले हैं जिन पर दाऊद दया दिखा सकता है। गोलियत की जौ की आँख के बेटों पर दया दिखाओ।

उन्हें अपनी मेज़ पर खाने वालों में शामिल होने दो। वे वही हैं जो मेरे साथ खड़े थे। और तुम्हें याद होगा कि जब अबशालोम राज्य पर कब्ज़ा कर रहा था, तब दाऊद को भागना पड़ा था, तब बर्जिल्लै ने उसका आतिथ्य किया था।

और इसलिए, दाऊद ने सुलैमान को निर्देश दिया कि वह बरज़िल्लै के वंशजों के लिए ठीक वैसा ही करे। तो, यहाँ एक अच्छे तरीके से माप के लिए एक अच्छा उपाय है। और फिर, अंत में, श्लोक 8 में, आपके पास अभी भी शिमी नाम का एक आदमी है, जिसने उस स्थिति में दाऊद को शाप दिया था जब वह जा रहा था।

और वह सुलैमान से कहता है, उससे निपटो। तुम बुद्धिमान आदमी हो, वह फिर कहता है, श्लोक 9, तुम जान जाओगे कि उसके साथ क्या करना है। उसके भूरे सिर को खून में लथपथ अधोलोक में ले जाओ।

अब सुलैमान बहुत ही कृपापूर्वक इन दो लोगों, योआब और शिमी को मौका देता है कि वे उन चिंताओं का दुरुपयोग करें। खैर, हम पहले ही बात कर चुके हैं, हाँ, मुझे खेद है, ट्रेवर, आगे बढ़ो। मैं भी नहीं।

यह वाकई एक अच्छा सवाल है, और मैं इसका जवाब बहुत ही संक्षेप में देने जा रहा हूँ। हिब्रू शब्द, शेओल, हिब्रू बाइबिल में गद्य संदर्भों, जैसे कि यह, और काव्य संदर्भों दोनों में दिखाई देता है। अधिकांश गद्य संदर्भों में, यह कब्र के समानांतर ही प्रतीत होता है।

दूसरे शब्दों में, मरना। हालाँकि कब्र के लिए एक और शब्द है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह वही है। क्योंकि हमारे पास ऐसे लोग हैं जो याकूब की तरह, अधोलोक में जाने का ज़िक्र करते हैं, और हम वास्तव में उसके बारे में यह नहीं सोचना चाहते कि वह नरक के अनुरूप किसी चीज़ में है।

ऐसा कहने के बाद, काव्यात्मक अंशों में, मैं जितना सोचा था उससे ज़्यादा लंबा जा रहा हूँ, लेकिन मैं इसे जल्दी से कर दूँगा। काव्यात्मक अंशों में, आपने इसे कब्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए इस्तेमाल किया है, जैसा कि मैंने अभी कहा है, लेकिन कुछ अन्य स्थान हैं जहाँ ऐसा लगता है कि यह किसी और चीज़ के बारे में बात कर रहा है, और यशायाह अध्याय 14 उन प्रमुख स्थानों में से एक है जहाँ आपको मृतकों की आत्माएँ मिलती हैं जो अधोलोक में बेचैन हैं, और ऐसा नहीं लगता कि यह एक बहुत अच्छी जगह है। यह अय्यूब की पुस्तक में भी दिखाई देता है।

यह मेरा संक्षिप्त उत्तर है। एक और बहुत लंबा उत्तर है। यह एक बढ़िया प्रश्न है।

मैं अभी आपके लिए यही सबसे अच्छा कर सकता हूँ। यह एक बढ़िया सवाल है। मुझे लगता है कि डेविड यहाँ बस यही कह रहा है कि उसे मरने दो, या फिर उसके साथ ऐसा व्यवहार करो कि वह मर जाए।

मैं कहाँ था? मुझे याद नहीं आ रहा। अरे हाँ, अदोनियाह। हमने अदोनियाह से निपट लिया है।

अबीशाग के लिए किए गए इस विशेष अनुरोध के परिणामस्वरूप, वह बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है। वैसे, मुझे थोड़ा पीछे जाना है। जब सुलैमान और बतशेबा के बीच यह बातचीत होती है, अगर मैं इसे यहाँ, अध्याय 1, श्लोक 21 में पा सकता हूँ, तो मुझे खेद है, मेरा मतलब सुलैमान से नहीं है।

मेरा मतलब है डेविड। डेविड और बाथशेबा इस बारे में बात कर रहे हैं कि आगे क्या होने वाला है। बाथशेबा डेविड से कहती है, तुम्हें इस बारे में कुछ करना होगा। अन्यथा, जैसे ही तुम, वह उसे मेरा प्रभु राजा कहती है, अपने पिताओं के साथ आराम करने के लिए ले जाओगे, मेरे बेटे सुलैमान और मेरे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाएगा, जिसका मतलब है कि अदोनियाह सुलैमान और शायद बाकी सभी लोगों से छुटकारा पा लेगा, जो अदोनियाह के राज्य के लिए किसी भी तरह का संभावित खतरा पैदा करते हैं।

हम इसे ऐतिहासिक पुस्तकों में आगे बढ़ते हुए देखेंगे, कि जब कोई राजा बनता है, और परिस्थितियाँ वास्तव में बहुत अच्छी या अच्छी नहीं होती हैं, तो कोई व्यक्ति अक्सर सभी विरोधियों को मिटा देता है, बस ऐसे ही, उन्हें झाड़ू से साफ़ करके रास्ते से हटा देता है। बाथशेबा को इस बात का बहुत डर था कि अदोनियाह सुलैमान के साथ ऐसा ही करेगा। शायद ऐसा हुआ भी होगा।

सुलैमान ने वास्तव में अदोनियाह को थोड़ा मौका दिया और फिर अदोनियाह ने यह कहकर इसका उल्लंघन किया कि, मुझे अबीशाग दे दो, आप देख सकते हैं कि यह सब कैसे शुरू हो रहा है। खैर, यह हमें सुलैमान की बुद्धि के लिए प्रार्थना की ओर वापस ले जाता है। और ध्यान दें, वैसे, सुलैमान पहले से ही बुद्धिमान है।

इसीलिए मैंने आपको डेविड द्वारा कही गई कुछ बातें पढ़कर सुनाई, जिसमें उसने कहा, तुम एक बुद्धिमान व्यक्ति हो। तुम एक बुद्धिमान व्यक्ति हो। सुलैमान के पास इतनी बुद्धि है कि वह जानता है कि उसे और भी बहुत सी बुद्धि की आवश्यकता है।

और ध्यान दें कि वह क्या कहता है। मैं अध्याय 3 में हूँ। वह गिबोन जाता है, जहाँ वे बलिदान कर रहे हैं। यह वह जगह है जहाँ उस समय तम्बू था।

और वह कहता है, अध्याय 3 की आयत 9, हे प्रभु, अपने सेवक को ऐसा हृदय दे जो सुनता हो। मैंने NIV के विवेकशील हृदय का अधिक शाब्दिक अनुवाद किया है। यह एक ऐसा हृदय है जो सुनता है और सुनने से आज्ञाकारिता की भावना जुड़ी हुई है।

सुनने के लिए हिब्रू शब्द में अक्सर आज्ञाकारिता के अर्थ भी होते हैं। अपने सेवक को अपने लोगों पर शासन करने और सही और गलत के बीच अंतर करने के लिए एक आज्ञाकारी हृदय दें, क्योंकि इस महान व्यक्ति पर शासन करने में कौन सक्षम है? इसलिए, सुलैमान बुद्धि माँगना जानता है।

वह अपने अनुरोध को एक विशेष क्षेत्र पर केंद्रित करता है, और यह मदद का क्षेत्र है! मुझे नहीं पता कि इन लोगों पर शासन कैसे किया जाए। अब हम देखेंगे कि उस क्षेत्र में, वह वास्तव में बहुत चतुर है। वास्तव में, अध्याय 3 का अगला भाग हमें यह दिखाने के लिए एक परीक्षण मामला देता है कि सुलैमान कितना बुद्धिमान है।

दो महिलाएँ उसके पास आती हैं, बच्चा मर जाता है, और इसी तरह की अन्य बातें। आप सुलैमान की शासन व्यवस्था और न्यायिक निर्णय लेने के मामले में बुद्धिमत्ता को देख सकते हैं। जहाँ वह

इतना बुद्धिमान नहीं है, ऐसा लगता है कि उसकी प्रार्थना ने उसके निजी जीवन को कवर नहीं किया क्योंकि उसने इस तरह से कुछ बहुत ही भयानक विकल्प चुने हैं, जिनके बारे में हम थोड़ी देर बाद बात करेंगे।

लोगों पर शासन करने के मामले में बुद्धि के लिए उनकी प्रार्थना, एक ऐसी प्रार्थना है जिसका उत्तर भगवान अपनी दया और कृपा से देते हैं, और साथ ही, जैसा कि भगवान कहते हैं, उन्हें धन और सुरक्षा और वे सभी अच्छी चीजें देंगे जो इसके साथ आती हैं। खैर, यह हमें उस चीज़ पर ले जाता है जिसे मैंने सरल रूप से भू-राजनीति का नाम दिया है क्योंकि हम सुलैमान के साथ जो हुआ उसके बारे में कुछ बातें सीखते हैं, लेकिन हमें व्यवस्थाविवरण 17 में राजाओं के बारे में जो कहा गया है उसे ध्यान में रखना चाहिए। क्या किसी को कुछ प्रमुख मुद्दे याद हैं जो उस विशेष अंश में दिखाई देते हैं? मैं इसे एक मिनट में पढ़ूंगा।

हाँ। राजा को कानून की एक प्रति स्वयं लिखनी होगी, और उसे ऐसी जगह रखना होगा जहाँ वह उसे पढ़ सके। अच्छा।

राजा को और क्या करना या न करना चाहिए? हाँ, ट्रेवर। तुम धोखा कर रहे हो। धोखा।

धोखा देकर हमारे लिए इसे पढ़ो। हाँ, मुझे वह करने दो। अपने लिए बहुत सारी पत्नियाँ नहीं, कहीं उसका दिल न फिर जाए।

अगर आपने आज की सामग्री पढ़ी है, तो आप जानते होंगे कि सुलैमान ने वास्तव में इसका उल्लंघन किया है। ठीक है, और हम सीखते हैं कि चांदी और सोना, मेरा मतलब है, चांदी इतनी अधिक है, कि आप सुलैमान के शासनकाल में इसे अब गिन भी नहीं सकते। बहुत सारी और बहुत सारी संपत्ति है, और उन्हें घोड़े नहीं खरीदने चाहिए।

जैसा कि आपने देखा, सुलैमान भी ऐसा ही करता है, और हमें यह भी बताता है कि उनमें से कुछ और रथ कहाँ से आते हैं। सुलैमान इनमें से कुछ चीजों में सीमा को आगे बढ़ा रहा है। बेशक, मुझे लगता है कि हम पंक्तियों के बीच पढ़ सकते हैं, और अनुमान लगाइए क्यों? वह शक्तिशाली बन रहा है।

हम थोड़ी देर में एक नक्शा देखने जा रहे हैं जो उनके राज्य की सीमा को दर्शाता है। जैसा कि मैंने पहले कहा, शक्तिशाली बनने के लिए राजनीतिक गठबंधन बनाने की जरूरत होती है। महिलाएं राजनीतिक पूंजी थीं, चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, यह उन चीजों में से एक है जो हुई।

इसलिए, सोलोमन इन विभिन्न छोटे-छोटे राज्यों से पत्नियाँ प्राप्त करके अपने राजनीतिक संबंधों को मजबूत करेगा, और बहुत छोटे राज्यों को शायद उद्धरण चिह्नों में रखा जा सकता है। वह उन चीजों का निर्माण भी करने जा रहा है जो उसके पास हैं जो राजनीतिक सफलता के निशान हैं। घोड़े, रथ, हमारे विशेष संदर्भ में पेंटागन द्वारा देखरेख किए जाने वाले सभी शस्त्रागार के बराबर।

और वह बहुत सारा पैसा बनाने जा रहा है। वह अपना पैसा कैसे कमाता है? खैर, इसे इस तरह से देखें। यहाँ भूगोल हमें परेशान करने के लिए वापस आता है, उसने अपने शासनकाल, अपने राज्य के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय तटीय राजमार्ग बनाया है।

वह इसे यूँ ही नहीं जाने देता। वह शायद बाएं और दाएं दोनों तरफ से कर लगा रहा है। जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ती हैं, कारवां और इसी तरह की दूसरी चीजें, उसके पास कुछ प्रमुख शहर हैं, मेगिडो, हज़ोर, गेजेर, मैं थोड़ी देर में इनके बारे में बात करने जा रहा हूँ।

और इसलिए, वह इस सभी माल पर कुछ कर लगाने में सक्षम है जो आगे-पीछे चलता है। वह श्रद्धांजलि भी हड़पने में सक्षम है, शायद हड़पना शब्द का उपयोग नहीं करना चाहिए, अपने शासन और अपने विस्तारित साम्राज्य के तहत आने वाले लोगों से श्रद्धांजलि लेना। इसलिए, धन उन विशेष स्रोतों से आ रहा है।

और सुलैमान एक ऐसा व्यक्ति बन रहा है जो शायद हार मान रहा है, मुझे शायद यह भी नहीं कहना चाहिए, वह उन प्रलोभनों के आगे झुक रहा है जो किसी को भी तब प्रभावित करते हैं जब वे सत्ता के पद पर आसीन होते हैं। यदि आप नहीं जानते कि अपने राष्ट्रीय नेताओं के लिए कैसे प्रार्थना करनी है, तो शायद आप उन्हें पसंद नहीं करते, मुझे नहीं पता। यदि आप नहीं जानते कि उनके लिए कैसे प्रार्थना करनी है, तो प्रार्थना करें कि वे घमंड के साथ आने वाली भयावहता के आगे न झुकें।

आपने शाऊल पर निबंध प्रश्न के दौरान देखा कि यह किसी भी तरह के पद पर बैठे व्यक्ति को प्रभावित करता है, जिसके पास नेतृत्व और शक्ति है। घमंड एक भयानक चीज है। और यह बहुत आसानी से बढ़ जाता है।

और मैं सुझाव दूंगा कि सोलोमन भी दूसरों के साथ उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। खैर, पीट है, हाँ, मुझे खेद है, रेबेका। हाँ, अच्छा सवाल है।

ऐसा क्यों है कि अगर अर्जित धन बुरा है, व्यवस्थाविवरण 17 में वापस जाकर, तो प्रभु क्यों कहते हैं, मैं तुम्हें धन दूँगा? खैर, आप जानते हैं, एक अच्छा जवाब होगा; यह मेरा जवाब है; आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं। आप जानते हैं, भगवान उसे उस स्थिति में आशीर्वाद दे रहे हैं जो उसके पास है। और वह कह रहा है, मैं तुम्हें धन दूँगा।

जब धन आपका ध्यान केंद्रित करने लगता है, तब यह एक समस्या बन जाती है। और हम सीखते हैं कि सुलैमान ने वास्तव में श्रद्धांजलि ली, आप जानते हैं, और उसने अपने कुछ निर्माण परियोजनाओं को पूरा करने के लिए श्रम, नियोजित श्रमिकों को काम पर लगाया। इसलिए, धन और आप इसका उपयोग कैसे करते हैं, के साथ हमेशा एक महत्वपूर्ण बिंदु होगा।

आप जानते हैं, भगवान का शुक्रिया उन लोगों के लिए जो धनवान हैं, जिन्हें भगवान ने आशीर्वाद दिया है, और वे उस धन का उपयोग अच्छे कामों के लिए करते हैं। जब इसका उपयोग अन्य प्रकार की चीजों के लिए किया जाता है, और मैं हमारी वर्तमान आर्थिक स्थिति की दिशा में भी

नहीं जा रहा हूँ, तो लालच वहाँ आ जाता है, और फिर यह पूरी तरह से अलग दिशा में चला जाता है। इसलिए, इसके अच्छे और बुरे दोनों तरह के मूल्य हो सकते हैं।

विस्तारित राज्य में शांति। यहाँ आपको एक प्यारी सी अभिव्यक्ति मिली है। अध्याय 4, श्लोक 21 में, सुलैमान ने नदी से लेकर पलिशियों की भूमि तक मिस्र की सीमा तक सभी राज्यों पर शासन किया। वे श्रद्धांजलि लेकर आए, वे सुलैमान के विषय थे।

श्लोक 25 में कहा गया है कि सुलैमान के जीवनकाल में, हर कोई सुरक्षित रहता था, हर कोई अपनी बेल और अंजीर के पेड़ के नीचे रहता था। यह एक ऐसा उदाहरण है जो यह कहने के लिए है कि सब कुछ सुरक्षित है, अपनी बेल और अंजीर के पेड़ के नीचे रहना। कोई भी आपकी फसलों को बर्बाद नहीं कर रहा है।

क्या आपको याद है जब हमने न्यायियों की पुस्तक के बारे में बात की थी, और गिदोन को मिद्यानियों के कारण अपने अनाज को एक छोटे से दाखरस के कुण्ड में पीसना पड़ा था? खैर, अब यह समस्या नहीं है। आप सिर्फ उपज और अपने सभी आर्थिक संसाधनों के साथ जी रहे हैं, और आप उनके साथ सुरक्षित हैं। यह एक अच्छी बात है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंध। ये सभी अध्याय, ये सभी अध्याय, उनमें से सभी दो, सोलोमन के पास मौजूद व्यापार प्रतिष्ठानों के प्रकारों के बारे में बात कर रहे हैं, और निश्चित रूप से, सबसे महत्वपूर्ण बात है शेबा की रानी का सोलोमन से मिलना, और यह तथ्य कि वह आकर कठिन सवालों से उसका परीक्षण कर सकती है, और वह उनका उत्तर देता है। उनके बीच बहुत ही रोचक आदान-प्रदान होता है, और उस संदर्भ में बहुत सारी संपत्ति भी आगे-पीछे होती है।

1 राजा 3 में वापस जाते हुए, यह कहा गया है कि सुलैमान ने मिस्र के राजा फिरौन के साथ गठबंधन किया और उसकी बेटी से विवाह किया। अब, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, यह इस बात का आदर्श उदाहरण होगा कि वह अन्य बहुत सी चीजों के साथ क्या करता है। वह उसे दाऊद के शहर में लाता है।

अब, अगर आप अध्याय 9 पर जाएं, तो मुझे लगता है कि यह सही है। हम इसके बारे में थोड़ा और देखते हैं। पद 16 में, मिस्र के राजा फिरौन ने गेजेर पर हमला किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया। क्या आपको याद है कि गेजेर नक्शे पर कहाँ है? हम थोड़ी देर में इस पर वापस आएंगे।

मैं तुम्हें नक्शा दिखाने जा रहा हूँ। यह उन तीन शहरों में से एक है। चलिए अब आगे की बात बताते हैं।

यह उन तीन शहरों में से एक है, इसी अध्याय की श्लोक 15 जिसे मैं पढ़ रहा हूँ, जिसमें लिखा है कि सुलैमान इसे मजबूत करने जा रहा है क्योंकि यह, अंदाज़ा लगाइए? अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर है। जो कुछ भी इसराइल से होकर गुज़रता है वह गेजेर से गुज़रता है, मगिदो से गुज़रता है, हज़ोर से गुज़रता है। सुलैमान ने उन शहरों को मजबूत किया और उन्हें बड़े शहर बनाया जो संभवतः भंडारण शहर थे और साथ ही ऐसे स्थान भी थे जहाँ उसने अपने घोड़ों और रथों के छोटे शस्त्रागार रखे थे।

अब, यह कहने के बाद, यहाँ बताया गया है कि सुलैमान ने गेजर को कैसे प्राप्त किया। यह काफी दिलचस्प है। पद 16, मिस्र के राजा फिरौन ने गेजर पर हमला किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया।

उसने इसे आग लगा दी। उसने इसके कनानी निवासियों को मार डाला। इस समय तक इस्राएल के पास यह अधिकार नहीं था।

और फिर उसने इसे अपनी बेटी, सोलोमन की पत्नी को शादी के तोहफे के रूप में दिया, और आप सोच रहे होंगे, यह किस तरह का शादी का तोहफा है? एक जला हुआ शहर? मुझे थोड़ा आराम दो। क्या वह उसे कुछ बेहतर नहीं दे सकता था? लेकिन यह वास्तव में एक अच्छा तोहफा है। वास्तव में, यह एक बेहतरीन तोहफा है।

क्योंकि सोलोमन जो कर सकता है वह है शून्य से शुरुआत करना और उस संदर्भ में वह जो चाहे, उसका निर्माण करना। और वह वहाँ एक प्रमुख किलेबंद शहर बनाने जा रहा है। कुछ कारणों से, जिन्हें मैं थोड़ी देर में मानचित्र पर बताने जा रहा हूँ, यह भी उसकी ओर से बहुत बुद्धिमानी और बहुत रणनीतिक है।

तो, उसे एक जला हुआ शहर मिलता है और आप सोचते हैं, कुछ नहीं। नहीं, यह सब कुछ है। उसके पास एक मुफ्त योजना है, जो काम करने के लिए तैयार है।

खैर, जैसा कि मैंने भी कहा है, वह बहुत से लोगों को पत्थर काटने और पानी ढोने तथा इस तरह के अन्य कामों के लिए भर्ती करता है। तो, हम इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी देखते हैं। यहाँ एक नक्शा है।

और देखते हैं कि हमें यहाँ वह मिल पाता है या नहीं जो हमें ढूँढ़ना है। छायांकित क्षेत्र, आप में से जो लोग पीछे हैं और जिन्हें इसे देखने में परेशानी हो रही है, उनके लिए अब सुलैमान का शासनकाल है। उसका शासनकाल।

उसका राज्य। यहाँ से नीचे तक, एलाट या अकाबा की खाड़ी के उत्तरी छोर तक, ऊपर आते हुए, ट्रांसजॉर्डन, उन सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए। यहाँ तक कि यूफ्रेट्स नदी को भी छूते हुए।

तो, उसे बहुत सारा सामान मिल गया है। और फिर, ध्यान रखें, बड़े राज्य नहीं। छोटे राज्य-इटिस, अगर आप चाहें, तो इसका हिस्सा हैं।

और यह, मुझे पता है, शब्दकोश में नहीं है। अगर हम इसका पर्याप्त उपयोग करते हैं, तो हम इसे विकिपीडिया में दर्ज करवा सकते हैं, और फिर हम इस पर एक लेख लिख सकते हैं। ठीक है? हाँ, ठीक है।

ठीक है, तो यहाँ पर सोचने वाली बात है। यहाँ पर इसे देखना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन गेजर यहीं पर है। ठीक है? अंतर्राष्ट्रीय तटीय राजमार्ग सीधे भूमि से होकर गुजरेगा।

गेजेर, यह रहा। मगिदो कहाँ है? मगिदो यहीं है। फिर से, अंतर्राष्ट्रीय तटीय राजमार्ग पर।

हज़ोर कहाँ है? यह वहीं है। तो, मेसोपोटामिया से आने वाला सारा ट्रैफ़िक, इस इलाके से होते हुए मिस्र की ओर जाता है, और इन तीन शहरों से होकर गुज़रता है। इसे टाला नहीं जा सकता।

तो, सोलोमन जो कर रहा है, उसमें वह बहुत होशियार है। खैर, यह एक तरह की भू-राजनीति है, और हम धन और इसी तरह की अन्य बातों के बारे में थोड़ी बात करते हैं, और पत्नियाँ भी उस संदर्भ में आती हैं।

उपासना हमारा अगला w है, और हमें उपासना के बारे में बात करने में थोड़ा समय बिताने की ज़रूरत है और सोलोमन चीज़ों के निर्माण के मामले में क्या करता है।

लेकिन मैं डेविड के शहर की घटनाओं और सुलैमान के सिंहासन पर बैठने के संदर्भ में जो कुछ हुआ, उसकी यादें ताज़ा करना चाहता हूँ। आपको पिछली चर्चाओं से याद होगा कि यहाँ का यह छोटा सा क्षेत्र डेविड का शहर है। बस इतना ही।

दस, ग्यारह एकड़, कुछ ऐसा ही। यह बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नीचे गिहोन स्प्रिंग है। और यही वह जगह है जहाँ सुलैमान खुद को राजा घोषित करवाता है, और वे पूरी चीज़ की व्यवस्था करते हैं।

डेविड का महल क्षेत्र इस क्षेत्र में ही होगा, लेकिन अभी तक कोई मंदिर नहीं है। जैसे-जैसे सोलोमन मंदिर का निर्माण करेगा, वह यहाँ ऊपर के उच्च क्षेत्र में विस्तार करने जा रहा है। आप में से जो लोग सिर्फ़ आज के लिए सामान्य ज्ञान पसंद करते हैं, उनके लिए ऊँचाई का अंतर, इस क्षेत्र से डेविड के शहर के निचले हिस्से तक लगभग 350 फ़ीट है।

तो, आप ऊपर देख रहे हैं क्योंकि आप यहाँ इस खंड को देख रहे हैं। हमने सोमवार को भजनों के बारे में बात करते समय इसके बारे में बात की थी। तो, यह वह क्षेत्र होगा जहाँ सुलैमान इस सामान्य चीज़ में अपना मंदिर बनाएगा।

हमारे चट्टान के गुंबद के नीचे, देखें कि क्या हम इसे ले जा सकते हैं। चट्टान के गुंबद के नीचे अभी आधारशिला है। आप वास्तव में उस संदर्भ में आधारशिला देख सकते हैं। एक और छोटी सी जगह जहाँ आधारशिला यहाँ दिखाई देती है।

लेकिन इसका ज़्यादातर हिस्सा हेरोदेस महान द्वारा बनाया गया एक बहुत बड़ा मंदिर मंच है। नए नियम में आपने शायद इस तरह की चीज़ों को देखा होगा। हमारे पास डेविड का शहर है, हमारे पास किद्रोन घाटी है, और निश्चित रूप से, और गीहोन झरना और मंदिर है।

व्यवस्थाविवरण 12, थोड़ा पीछे हटते हुए, जब मूसा व्यवस्थाविवरण में लोगों को संबोधित कर रहा था, तो उसने कहा, जब समय आएगा, तो तुम्हें अपने बलिदान लाने होंगे, तुम्हें इन तीर्थयात्रा त्योहारों पर उस स्थान पर आना होगा जहाँ मैं अपना नाम रखना चुनूँगा। इसका नाम यरूशलेम

नहीं है; यह वह स्थान है जहाँ परमेश्वर अपना नाम रखना चुनेगा, और वह यरूशलेम होगा। तो, व्यवस्थाविवरण 12 की पूर्ति।

मंदिर के बारे में थोड़ा बात करें। जब आप यह सब पढ़ रहे होंगे, तो शायद आपको यह बात खटकेगी कि यह सब तम्बू से कितना बड़ा है। तम्बू परमेश्वर की दया का प्रतीक था, जो अपने लोगों के साथ तम्बू में रहता था।

लोग सिनाई से होकर अपना रास्ता बना रहे थे, और परमेश्वर उनके साथ-साथ अपना रास्ता बना रहा था। अब जबकि वे स्थिर हो गए हैं, अब जबकि उन्हें एक राज्य मिल गया है, अब हम एक मंदिर बनाने जा रहे हैं। और एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि यह आस-पास के कुछ अन्य राष्ट्रों की तरह नहीं है।

उनके पास मंदिर भी थे, और अक्सर उनकी संरचना एक जैसी होती है। लेकिन पहले कुछ उद्देश्यों को समझ लेते हैं। यह पूजा का एक केंद्रीय स्थान होगा।

अब, जब हमने तम्बू के बारे में बात की, तो हमारी मुख्य बात यह थी कि यह उनके बीच में परमेश्वर के निवास का प्रतिनिधित्व करने वाला था। क्योंकि वे लोगों का एक छोटा समूह थे, वे सिनाई से अपना रास्ता बना रहे थे, वे गतिशील थे, और परमेश्वर उनके साथ था। यहाँ, बेशक, उनके पास एक ज़मीन है, विभिन्न जनजातियों को पूरे देश में विभाजित किया गया है, और इसलिए यह इतना नहीं है कि परमेश्वर अभी भी वहाँ निवास कर रहा है, मुझे गलत मत समझिए, लेकिन लोग अधिक फैले हुए हैं।

अब उन्हें तीर्थयात्रा के त्यौहारों पर आना होगा। हमारे तीन तीर्थयात्रा त्यौहार कौन से हैं? तम्बू, फसह, आखिरी वाला थूकना, सप्ताहों का पर्व, ठीक है, उन्हें समझ लिया, अच्छा। वैसे, मुझे आपको बताना होगा, यह एक पूर्ण स्पर्शरेखा है, क्या आप एक पूर्ण स्पर्शरेखा के लिए तैयार हैं? एक अद्भुत रब्बी कहावत है, अद्भुत रब्बी कहावत, और यह इस प्रकार है।

वह, क्योंकि रब्बी उससे बात कर रहे थे जिसने अध्ययन किया है, वह जो टोरा का अध्ययन करता है और भूल जाता है कि उसने क्या अध्ययन किया है, वह उस महिला की तरह है जो एक बच्चे को जन्म देती है और बाहर जाकर उसे दफना देती है। क्या आपको यह पसंद है? यह काफी स्पष्ट है, है न? क्योंकि बच्चे को जन्म देना एक दर्दनाक प्रक्रिया है। यह बहुत काम है।

कोई भी समझदार व्यक्ति, इतने दर्द और पीड़ा से गुज़रने के बाद, अपने बच्चे को दफनाने नहीं जाएगा। लेकिन जो आपने पढ़ा है उसे भूल जाना, क्योंकि आपने उसमें बहुत मेहनत की है, उसे मत भूलना। क्योंकि पढ़ाई का सारा दर्द और पीड़ा तब चली जाती है, यह इसके लायक नहीं है।

तो, हमारे अद्भुत रब्बीनी कहावत को याद रखें, और महसूस करें कि जब हम इतिहास के बारे में बात कर रहे हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि टोरा में क्या है, चाहे आप मानें या न मानें। जब हम अपने पैगम्बरों के बारे में बात करेंगे तो मैं इसे फिर से कहूँगा। ठीक है, यह हमारी बात है।

पूजा का केंद्रीय स्थान वह है जहाँ लोग भगवान की पूजा करने के लिए तीर्थयात्रा उत्सवों में आते हैं, और वे सभी चीजें जो उन तीर्थयात्रा उत्सवों पर लागू होती हैं, वे चीजें हैं जो अब महत्वपूर्ण हैं। यह पवित्र स्थान का भी प्रतिनिधित्व करता है। और कुछ मायनों में, वास्तव में हमें भगवान की उपस्थिति का एहसास कराता है।

अब, हम पहले ही यह कह चुके हैं, लेकिन हम इसे इतिहास में और भी नाटकीय रूप से देखने जा रहे हैं। मैं इन अंशों को नहीं पढ़ूंगा क्योंकि मैं अभी समय को देख रहा हूँ, लेकिन इतिहास, राजाओं के विपरीत, कुछ और करता है, और वह है परमेश्वर की उपस्थिति पर और भी अधिक जोर देना। तो, आपके पास अध्याय 5 में, महिमा का यह बादल है।

अब, यह किंग्स में दिखाई देता है, लेकिन तुरंत नहीं, बहुत आकर्षक ढंग से नहीं। फिर, स्वर्ग से आग उतरती है, इसलिए यह पवित्र स्थान है। इसे किसी तरह से बहुत सरलीकृत करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है, और मैं कूड शब्द का इस्तेमाल किसी बुरे अर्थ में नहीं, बल्कि एक ऐसे कथन में करूँगा जो एक कठोर अर्थ में, एक बहुत ही कठोर अर्थ में है, जो स्वर्ग में भगवान के निवास का प्रतिबिंब है।

और मैं वास्तव में इन अंशों को देखना चाहता हूँ क्योंकि वे महत्वपूर्ण हैं। 1 इतिहास 28 1. मंदिर के लिए दाऊद की योजनाओं का एक हिस्सा, जैसा कि आपको याद होगा, और ध्यान दें, वैसे, जैसा कि मैंने कहा, 1 इतिहास 28 के श्लोक 12 में कहा गया है, दाऊद ने सुलैमान को उन सभी योजनाओं को बताया जो आत्मा ने उसके दिमाग में डाली थीं।

मैंने पहले भी इसका ज़िक्र किया है। और अब, बेशक, श्लोक 18 में, हमारे पास वह बात है जिसकी मैं बात कर रहा हूँ। उसने उसे रथ की योजना दी।

ये सोने के करूब हैं जो अपने पंख फैलाकर प्रभु की वाचा के सन्दूक को ढँकते हैं। खैर, ये रथ और करूब क्या हैं? हमने पहले भी करूब देखे हैं, लेकिन अब आइए यहजेकेल अध्याय 1 देखें। फिर से, यहाँ बहुत समय नहीं बिताने जा रहा हूँ, लेकिन यह सिर्फ़ एक तरह से प्रस्तावना है कि जब हम वास्तव में यहजेकेल करते हैं तो हम क्या करते हैं। अध्याय 1 में, यहजेकेल को एक उल्लेखनीय दर्शन मिलता है।

और, बेशक, ये चार प्राणी हैं। और श्लोक 5 में कहा गया है, चार जीवित प्राणी। रूप एक आदमी जैसा था।

हर एक के चार चेहरे और चार पंख थे। पैर सीधे थे, बछड़े के जैसे पंजे। इसे पकड़ो।

चमकते हुए कांसे से बने। उनके पंखों के नीचे, चारों तरफ, एक आदमी के हाथ थे। चेहरे और पंख और पंख एक दूसरे को छूते हैं।

और फिर अगर आप थोड़ा और नीचे देखें, अगर मैं यहाँ देख सकता हूँ, श्लोक 15, पहिए भी हैं। तो जब यहजेकेल को स्वर्ग में देखने की अनुमति दी गई, तो वह कुछ ऐसा देख रहा था जिसमें पहिए थे। पहियों पर सभी जगह आँखें हैं।

और यह फिर से, शब्दों में जिसे कुछ बहुत ही सरल, मोटे तरीके से व्यक्त किया जा सकता है, स्वर्ग में दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है, मैं सुझाव दूंगा। हम कुछ ऐसा देख रहे हैं जिसे रथ कहा जाता है। जब आप भजन पढ़ते हैं, तो यह भगवान के रथ और उसे ले जाने वाले पहियों के बारे में बात करता है।

इसके अलावा, जब इस्राएलियों ने रीड्स सागर को पार किया, तो वहाँ भी एक रथ का उल्लेख किया गया था। तो, परमेश्वर की उपस्थिति के बारे में कुछ ऐसी ही विशेषताएँ हैं। और कृपया ध्यान रखें कि इसे ऐसे शब्दों में रखा गया है जिन्हें हमारा बहुत ही सरल, सीमित दिमाग समझ सकता है और जिसे हमारी भाषा प्रणाली समायोजित कर सकती है।

फिर भी मंदिर प्रांगण में जो कुछ रखा जा रहा है, उसमें ऐसी विशेषताएँ हैं जो स्वर्ग में मौजूद चीज़ों का बहुत ही सरल तरीके से प्रतिनिधित्व करती हैं। और आप तुरंत सोच रहे होंगे, या कम से कम आपको सोचना चाहिए, मुझे लगा कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। दूसरी आज्ञा, है न? ये पूजा के लिए मूर्तियाँ नहीं हैं।

ये वे चीज़ें हैं जिन्हें परमेश्वर ने प्रतीकात्मक रूप से स्वर्गीय क्षेत्रों में चल रही चीज़ों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कहा है। और मैं आपको एक पल में एक तस्वीर दिखाऊंगा, या माफ़ करें, एक पल में एक चित्रण। इब्रानियों अध्याय 8 और अध्याय 9 भी, मुझे लगता है कि ये वे अंश हैं जिनके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं, मंदिर में मौजूद चीज़ों के बारे में बात करते हैं जो स्वर्गीय क्षेत्रों में हमारे पास मौजूद चीज़ों की छाया और प्रतियाँ हैं, बहुत अपूर्ण प्रतियाँ हैं।

खैर, इतनी सारी टिप्पणियों के बाद बहुत ही सांसारिक होने के नाते, यह राष्ट्र के धन का भंडारण स्थान भी है, और यह बिल्कुल सही है। यदि आपके पास ऐसे लोग हैं जिन्हें कम से कम अपने पवित्र प्रतीकों की रक्षा करनी चाहिए, वाचा का संदूक, निश्चित रूप से, इसका केंद्र है, तो यह एक ऐसी जगह होगी जहाँ वे अपने जीवन की रक्षा करेंगे। राष्ट्र के धन को भी वहाँ क्यों न रखा जाए? और इस तरह मंदिर वास्तव में धन के भंडारण का स्थान बन जाएगा।

मंदिर से जुड़ी बहुत सारी सोने और मूल्यवान वस्तुओं की भरमार है। खैर, डिजाइन और साज-सज्जा तम्बू के समान ही है, सिवाय इसके कि इसमें कई गुना वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, शोब्रेड के लिए एक टेबल के बजाय, आपको दस मिल गए हैं।

और एक लैंपस्टैंड की जगह, आपके पास दस हैं। और चीज़ें बस बड़ी हैं। आइए देखें कि यह सब एक बहुत ही सरलीकृत मॉडल से कैसा दिखता है।

मुझे लगता है कि यह यू.के. में लगभग 25-30 साल पहले बनाया गया था। लेकिन यह हमें इसके बारे में थोड़ा-बहुत बताता है। ध्यान दें कि हमारे पास दो बड़े स्तंभ हैं।

जोआचिम और बोअज़ वे स्तंभ हैं जो मंदिर के प्रवेश द्वार के दोनों ओर स्थापित किए गए हैं। अगर मैं अपना पाठ सही ढंग से पढ़ रहा हूँ तो इसमें कुछ ऐसा है जो थोड़ा टेढ़ा है। क्योंकि मुझे

लगता है, जैसा कि मैंने पाठ को सही ढंग से पढ़ा है, वेदी की चौड़ाई मंदिर की चौड़ाई जितनी ही है।

और यह थोड़ा छोटा लग रहा है। लेकिन किसी भी हालत में, यह कोई समस्या नहीं है। हम इस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं।

यही वह चीज़ है जिसमें मुझे वास्तव में दिलचस्पी है। आपके पास लेवर है, है न? या वॉश बेसिन, या आप इसे जो भी नाम देना चाहें। यह वह जगह है जहाँ पानी जमा होता है, समुद्र, जिसे कुछ लोग समुद्र कहते हैं, धोने और सफाई के लिए।

और यहाँ हमें बैल, या गोजातीय जीव, इसके नीचे मिले हैं। अब, क्या यह दिलचस्प नहीं है? मुझे इस पर बाद के साहित्य का एक और छोटा सा अंश डालना है। जब प्रेरित यूहन्ना ने प्रकाशितवाक्य के अध्याय 4 में स्वर्ग का दृश्य देखा, तो उसने क्या देखा? हम इसके बारे में गाते हैं, मुझे लगता है कि यह पवित्र, पवित्र, पवित्र है।

वह एक कांच जैसा समुद्र, एक बड़ा समुद्र, एक बड़ा विस्तार देखता है। खैर, यह अध्याय 1 के अंत में यहजेकेल का प्रतिबिंब है, जो एक विशाल विस्तार भी देखता है, और विस्तार के ऊपर भगवान का सिंहासन है। विस्तार के नीचे क्या है? वे करूब।

क्या यह दिलचस्प नहीं है? तो, किसी तरह, हम आकाश के इस विस्तृत विस्तार, समुद्र, चाहे आप इसे जो भी नाम देना चाहें, को करूबों द्वारा उठाए हुए देख रहे हैं। और यहाँ, यह परमेश्वर की उपस्थिति में आने के लिए शुद्धिकरण का प्रतीक बन जाता है। सिंहासन कक्ष में जाने से पहले आप इस पानी में स्नान करते हैं।

और मंदिर परमेश्वर का सिंहासन कक्ष है, ठीक वैसे ही जैसे उन दर्शनों में आप उन करूबों के पास से गुजरते हैं जो सुरक्षा करते हैं। वे सिंहासन कक्ष के रक्षक हैं। आप उनसे आगे बढ़कर परमेश्वर की उपस्थिति में पहुँच जाते हैं।

अब, हम इस बारे में और भी बहुत कुछ कह सकते हैं। प्राचीन निकट पूर्वी मंदिरों में, आपके पास है, और मुझे एक तस्वीर शामिल करनी चाहिए थी, और निश्चित रूप से, मैं ऐसा करना भूल गया, लेकिन मेसोपोटामिया के क्षेत्रों के इन विशाल मंदिरों, विशेष रूप से असीरियन मंदिरों में, बिल्कुल विशालकाय जीव होंगे। पत्थर से बने पत्थर, मंदिर के प्रवेश द्वार के दोनों ओर खड़े हैं।

वे पंख वाले प्राणी थे। और वे बिल्कुल करूब जैसे दिखते थे। वे बहुत हद तक ऐसे दिखते थे जैसे कि यहाँ मंदिर की रखवाली कर रहे हों।

खैर, फिर से अंदर जाकर, हमने देखा कि यहाँ एक नहीं, बल्कि कई दीवटें हैं। यह पवित्र स्थान है, जैसा कि हमने तम्बू में देखा था, लेकिन अब यह एक स्थिर, स्थिर इमारत है। और फिर, बेशक, हमारा सबसे पवित्र स्थान, वाचा का संदूक, और फिर से ये बहुत बड़े प्रतीक, करूब, परमेश्वर के सिंहासन की रखवाली कर रहे हैं।

लेकिन ध्यान रखें, यह पूरी तरह से विदेशी या व्यापक सांस्कृतिक संदर्भ से अलग नहीं है क्योंकि, जैसा कि मैंने अभी कहा, व्यापक संस्कृति में भी राजाओं के सिंहासन कक्षों की रखवाली करने वाले ये महान पत्थर के जीव हैं। तो यहाँ कथन है: ईश्वर राजा है, और वह परम राजा है। वह परम राजा है।

खैर, प्रवेश द्वार, आंगन, वेदी और श्रम से, मुझे लगता है कि यह सब है। लेवियों ने कैसे काम किया, इस संबंध में हमें कुछ बातें कहने की ज़रूरत है। उनका मुख्य कार्य क्या था, अच्छा, जब तम्बू चालू था, तो उनका एक मुख्य कार्य क्या था? लेवियों ने क्या किया? उन्होंने इसका ख्याल रखा, और आप इससे भी आगे जा सकते हैं, तम्बू के बारे में सोचें, तम्बू के बारे में सोचें, चलने के बारे में सोचें।

वे ही हैं जो इसे पैक करने, इसे ले जाने, इसे स्थापित करने आदि के लिए जिम्मेदार थे। अब, ज़ाहिर है, एक बार जब आपके पास एक मंदिर हो जाता है, तो वे ऐसा नहीं करने जा रहे हैं, है ना? यह उनका काम नहीं है। लेकिन उनके पास कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण चीजें हैं।

हमेशा से ही लेवियों और पुजारियों को शिक्षक माना जाता था, लेकिन अब हमारे पास कुछ अन्य कार्य हैं जो वे कर रहे हैं। वे द्वारपाल के रूप में सेवा करते हैं। कुछ मायनों में, वे जो पहले करते आ रहे थे उसका विकास और निरंतरता है, क्योंकि आपको याद होगा कि लेवीय परिवार तम्बू क्षेत्र के ठीक आस-पास स्थित थे।

अब, वे मंदिर के द्वारपाल हैं। यह एक दिलचस्प बात है। वे संगीतकार हैं, मंदिर के संगीतकार।

बेशक, इतिहास में इस बारे में बहुत कुछ कहा गया है। संगीत और भविष्यवाणी अक्सर एक साथ चलते हैं। जब हम एलीशा के पास पहुँचेंगे, तो हम इसे फिर से देखेंगे।

आपके पास लेवियों द्वारा ईश्वर के वचनों की किसी तरह से, भविष्यसूचक प्रस्तुति के लिए संगीत प्रदान करने का एक संबंध है। दूसरी बात जिस पर मैं यहाँ थोड़ा ज़ोर देना चाहता हूँ। ओह, बुरा व्यंग्य।

इसके लिए माफ़ी चाहता हूँ। वीणा, संगीत, ब्ला, ब्ला, ब्ला। दूसरी बात जो मैं आपको बताना चाहूँगा वह यह है कि उनका संगीत बहुत बढ़िया है।

क्या आपने यह पढ़ा? ये प्रशिक्षित संगीतकार हैं। मंदिर के संदर्भ में वे जो करते हैं वह उत्कृष्ट है। पाठ में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि हमें यह कैसे पता चलेगा।

वे वहाँ भटकते हुए नहीं रहते और न ही यह कहते रहते हैं कि मैं भगवान के लिए खुशी से शोर मचा रहा हूँ। अरे, हो। इसके लिए एक जगह है, लेकिन पूजा के संदर्भ में नहीं।

क्या मैंने काफी बातें कर ली हैं? चलिए आगे बढ़ते हैं। वे खजाने के भी प्रभारी हैं। यह महत्वपूर्ण है।

यह एक जिम्मेदारी है। इन चीजों का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। वे अधिकारियों की तरह काम करते हैं।

वे न्यायाधीश के रूप में काम करते हैं। हमने इसके कुछ संकेत देखे हैं, या मुझे कहना चाहिए कि जब हम व्यवस्थाविवरण पढ़ रहे थे, तो हमें इसके संकेत पहले ही मिल चुके थे। मैं प्रभु के सामने मामले लाने के बारे में बात कर रहा था।

इसका एक हिस्सा लेवियों के कार्य होंगे, दोनों अपने-अपने शहरों में, मैं सुझाव दूंगा, और संभवतः यरूशलेम में भी। खैर, इसका समर्पण झोपड़ियों के पर्व पर होता है। इसमें झोपड़ियों का पर्व नहीं लिखा है, लेकिन इसमें सातवें महीने के पर्व के बारे में लिखा है, इसलिए हम इसका अनुमान लगा सकते हैं।

सुलैमान की प्रार्थना एक अद्भुत प्रार्थना है, जिसे मैं आपको पढ़कर नहीं सुनाऊंगा, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इन बातों पर प्रकाश डालें। वह हमेशा वादा करता है। वह वापस जाकर परमेश्वर के पिछले वादों पर विचार करेगा, जो, वैसे, प्रार्थना के लिए एक जबरदस्त मॉडल है, अगर आप चाहें तो, परमेश्वर के पिछले वादों पर विचार करें और उन वादों के संबंध में समय के एक निश्चित बिंदु पर हम कहाँ खड़े हैं और उन वादों और परमेश्वर की वफादारी के लिए हमारी कृतज्ञता।

यह कोई बुरा विचार नहीं है। वह यह भी स्पष्ट करता है कि यह परमेश्वर के नाम का निवास स्थान है, और हम इस तथ्य को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहते कि नाम शक्तिशाली है। इसीलिए प्रभु के नाम को व्यर्थता में उठाने के विरुद्ध ऐसी आज्ञा दी गई है।

नाम महत्वपूर्ण है। नाम शक्तिशाली है। लेकिन फिर, ज़्यादातर प्रार्थना इस बात पर केंद्रित होती है कि अगर लोग अवज्ञाकारी होंगे तो क्या होगा।

उदाहरण के लिए, यदि वे अवज्ञाकारी हैं, तो बारिश रुक सकती है। यदि वे वापस लौटते हैं और इस मंदिर में आते हैं और प्रार्थना करते हैं, तो भगवान उन्हें पुनः स्थापित कर सकते हैं। यदि वे अवज्ञाकारी हैं और उन्हें बंदी बना लिया जाता है, लेकिन वे वापस लौटते हैं और पश्चाताप करते हैं, तो वे इस स्थान की ओर मुड़ते हैं और प्रार्थना करते हैं, और भगवान उन्हें पुनः स्थापित करेंगे।

इसमें उन वाचा के कई शापों का ज़िक्र है जिन्हें हमने लैव्यव्यवस्था 26 और व्यवस्थाविवरण 27 और 28 में पढ़ा था। इसलिए सुलैमान की प्रार्थना उसके दिमाग में कहीं से भी नहीं आई। वह वाचा के आधार पर प्रार्थना कर रहा था।

दाऊद के साथ वाचा और सिनाई से वाचा दोनों। यह महत्वपूर्ण है। समर्पण समारोह एक उल्लेखनीय समय था, जिसमें बहुत सारे बलिदान चढ़ाए गए थे।

वैसे, वे सिर्फ सामूहिक वध के रूप में ये बलिदान नहीं चढ़ा रहे हैं। वहाँ बहुत सारे लोग हैं, और वे संगति के प्रसाद का कुछ हिस्सा खाकर भाग ले रहे हैं। उस संदर्भ में यही हो रहा है।

जैसा कि आप जानते हैं, ईश्वर की उपस्थिति नाटकीय रूप से प्रकट होती है, और फिर हमें ईश्वर की प्रतिक्रिया मिलती है, जो इससे भी लंबी है, लेकिन यह उन अंशों में से एक है जो मुझे लगता है कि आप जानते हैं। शायद आपने इसे किसी संदर्भ में याद कर लिया है। यह सुलैमान की प्रार्थना के लिए ईश्वर की आगे की प्रतिक्रिया के रूप में आ रहा है, और निश्चित रूप से, यह एक सुंदर कथन है, जिसे, यदि आपने अभी तक याद नहीं किया है, तो इसे याद करना अच्छा हो सकता है।

मैं देख रहा हूँ कि मैंने इसे लाल कपड़े में ठीक से फीका कर दिया है। लेकिन सुलैमान की प्रार्थना के बाद भी, आप जानते हैं, जब चीजें खराब होती हैं, तो परमेश्वर कहता है, अगर मेरे लोग खुद को नम्र करेंगे, प्रार्थना करेंगे, मेरा चेहरा देखेंगे, अपने बुरे तरीकों से दूर हो जाएँगे। आप जानते हैं, यहाँ कुछ मानदंड हैं।

नम्र बनो, प्रार्थना करो, परमेश्वर की खोज करो, पश्चाताप को दूर करो, फिर परमेश्वर वास्तव में हमें बहाल करेगा। इसलिए, यह ध्यान में रखने वाली बात है, और यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि इस मंदिर के समर्पण को समाप्त किया जा रहा है। अब, यह एक तरह की अच्छी बात है।

सुलैमान अपने शासनकाल के अंत में पहुँचता है, और जैसा कि मैंने पहले कहा, यह वह सामग्री है जो इतिहास में नहीं है क्योंकि यह थोड़ा गंदा है, शायद पढ़ने में उतना मज़ेदार न हो, लेकिन जिस तरह दाऊद के शासनकाल के अंत ने हमें सुलैमान में मंदिर बनते देखने की तैयारी में ला खड़ा किया, अब हम तैयारी देखने जा रहे हैं, चाहे हमें यह पसंद हो या न हो, राज्य में विभाजन के लिए। सुलैमान ने बहुत से राजनीतिक गठबंधन किए। श्लोक 11, क्षमा करें, अध्याय 11 का श्लोक 1, कई विदेशी महिलाओं से प्यार करता था, और वह प्यार, वैसे, इस राजनीतिक गठबंधन की बात कर रहा है, उनसे शादी करता है, कहता है कि उसने उनसे प्यार से रिश्ता बनाए रखा, उसके 700 शाही पत्नियाँ थीं, फिर से उस संबंध को ध्यान में रखते हुए, 300 रखैलें, और उसकी पत्नियों ने उसे गुमराह किया, जिससे वह मूर्तिपूजा की ओर मुड़ गया, और श्लोक 5 में सभी विभिन्न देवी-देवताओं और मूर्तिपूजा के बिंदुओं की बात की गई है।

प्रभु वास्तव में इससे खुश नहीं हैं, इसलिए परमेश्वर दो अलग-अलग जगहों पर कहने जा रहा है कि कुछ होने वाला है। सबसे पहले, प्रभु सुलैमान से कहता है, अध्याय 11, श्लोक 11, चूँकि तुमने मेरी वाचा का पालन नहीं किया है, इसलिए मैं निश्चित रूप से राज्य को तुमसे छीन लूँगा और इसे तुम्हारे अधीनस्थों में से किसी एक को दे दूँगा। मैं दाऊद के कारण तुम्हें एक गोत्र छोड़ दूँगा, लेकिन राज्य छीन लिया जाएगा।

विरोधी सामने आते हैं, और मैंने यहाँ तीन प्रमुख विरोधियों का उल्लेख किया है। एदोम सुलैमान के नियंत्रण में था। खैर, यह थोड़ा सा विखंडन करता है, और यह एदोमी नेता चीजों का नेतृत्व कर रहा है।

अराम, वह क्षेत्र जो इज़राइल और मेसोपोटामिया के बीच बफर ज़ोन है, सीरिया में कुछ दरारें हैं। और फिर हमारे पास हमारा प्रमुख व्यक्ति, नबात का पुत्र यारोबाम है। श्लोक 26, अध्याय 11, उसने राजा के खिलाफ विद्रोह किया।

हम नहीं जानते कि उस विद्रोह में क्या शामिल है। यह हमें नहीं बताता। लेकिन अगले कुछ आयतों में जो हो रहा है वह हमारी दूसरी सूचना है कि परमेश्वर ने निर्धारित किया है।

क्या आपको याद है कि परमेश्वर ने दो अलग-अलग कथनों के ज़रिए चीज़ों को निश्चित किया था? हमने बार-बार दो अलग-अलग कथन देखे हैं। हाल ही में, शाऊल को राज्य मिला लेकिन उसने उसे खो दिया। अब हमें सुलैमान के साथ यह मिला है।

परमेश्वर उसे दो अलग-अलग तरीकों से सूचित करने जा रहा है। राज्य चला जाएगा। पहला तरीका सीधे सुलैमान को है।

दूसरा हमें सूचित करता है। श्लोक 29, यारोबाम यरूशलेम से बाहर जा रहा है। अहिय्याह, जो शीलो का एक नबी है।

शिलोह के कुछ महत्वपूर्ण संबंध हैं, है न? वह उससे मिलता है और कहता है, हे भगवान, श्लोक 30, यह एक नया लबादा है। इसे 12 टुकड़ों में फाड़ देता है। और फिर वह कहता है, 10 ले लो।

वे 10 तुम्हारे होंगे। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर कहता है, मैं सुलैमान के हाथ से राज्य छीन लूँगा और तुम्हें 10 गोत्र दूँगा। तुम यहाँ यारोबाम हो।

एक जनजाति को सुरक्षित रखा जाएगा। इसलिए, हमें दो अलग-अलग संकेत मिले हैं कि सुलैमान राज्य खोने जा रहा है। खैर, त्रासदी यह है कि वह अपने तरीकों से नहीं मुड़ता है।

और इसलिए, 40 साल बाद उसकी मृत्यु हो जाती है। विभाजित राज्य पर चर्चा करने से पहले, हम एक और चक्कर लगाने जा रहे हैं। यह चक्कर ज्ञान साहित्य में जाने वाला है क्योंकि चार पुस्तकों में से तीन जिन्हें ज्ञान की पुस्तकें माना जाता है, सुलैमान से जुड़ी हैं।

नीतिवचन, सभोपदेशक, श्रेष्ठगीत। और फिर उस संदर्भ में, हम अय्यूब पर भी चर्चा करेंगे। तो अगले सप्ताह से, हम कुछ समय के लिए ज्ञान साहित्य की ओर बढ़ेंगे।

और फिर हम विभाजित राज्य को उठाएंगे। इस बीच, शाब्बत शालोम। शानदार सप्ताहांत मनाएं।

वहाँ तो बसंत ऋतु है।